

उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज

अधिन्यास (Assignment)

2020-2021

स्नातक कला कार्यक्रम (बी०ए०)
Bachelor of Art Programme (B.A.)

सेमेस्टर पद्धति (प्रथम सेमेस्टर)

विषय – संस्कृत

Subject : Sanskrit

कोर्स शीर्षक : अभिज्ञान शाकुन्तलम् एवं नीतिशतकम्

कोर्स कोड: यू०जी०एस०टी० 101

Course Title :

विषय कोड : यू.जी.एस.टी

Subject Code : UGST

Course Code : UGST-101

अधिकतम अंक : 30

Maximum Marks: 30

नोट : दीर्घ उत्तरीय प्रश्न । प्रश्नों के उत्तर 800 से 1000 शब्दों में लिखें। सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

Note: Long Answer Questions. Answer should be given in 800 to 1000 words.

Answer all questions. All questions are compulsory.

Section – A

खण्ड - अ

अधिकतम अंक : 18

Maximum Marks: 18

प्रश्न-1 निम्न श्लोकों का हिन्दी में अनुवाद कीजिए –

6

(क) सरसिजमनुविद्धं शैवलेनापि रम्यं
मलिनमपि हिमांशोर्लक्ष्म लक्ष्मीं तनोति ।
इयमधिकमनोज्ञा वल्कलेनापि तन्वी
किमिव हि मधुराणां मण्डनं नाकृतीनाम् ॥

(ख) शमप्रधानेषु तपोधनेषु
गूढं हि दाहात्मकमस्ति तेजः ।
स्पर्शानुकूला इव सूर्यकान्ता-
स्तदन्यतेजोऽभिभवाद् वमन्ति ॥

प्रश्न-2 अधोलिखित दो श्लोकों की संस्कृत में ससन्दर्भ व्याख्या कीजिए –

6

क) कामं प्रिया न सुलभा मनस्तु तद्भावदर्शनाश्वासि ।
अकृतार्थेऽपि मनसिजे रतिमुभयप्रार्थना कुरुते ॥

ख) परिग्रहबहुत्वेऽपि द्वे प्रतिष्ठे कुलस्य मे ।
समुद्ररसना चोर्वी सखी च युवयोरियम् ॥

प्रश्न-3 निम्नलिखित सूक्तियों की व्याख्या कीजिए –

6

(क) सतां हि संदेहपदेषु वस्तुषु प्रमाणमन्तःकरणप्रवृत्तयः ।
(ख) भवितव्यानां द्वाराणि भवन्ति सर्वत्र

Section – B

खण्ड - ब

अधिकतम अंक : 12
MaximumMarks:12

नोट : लघु उत्तरीय प्रश्न/प्रश्नों के उत्तर 200 से 300 शब्दों में लिखें। सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

- प्रश्न-4 भर्तृहरि के जीवनवृत्त एवं कर्तृत्व पर प्रकाश डालिए। 2
- प्रश्न-5 अधोलिखित में से किसी दो पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिये – 2
i) सूत्रधार ii) विदूषक iii) अपवारित
- प्रश्न-6 नीतिशतक के किसी एक श्लोक को लिखकर उसका भावार्थ समझाइए। 2
- प्रश्न-7 निम्नलिखित श्लोक का हिन्दी में अनुवाद कीजिए – 2
प्रारभ्यते न खलु विघ्नभयेन नीचैः।
प्रारभ्य विघ्नविहता विरमन्ति मध्याः
विघ्नैः पुनः पुनरपि प्रतिहन्यमानाः
प्रारब्धमुत्तमजनाः न परित्यजन्ति।।
- प्रश्न-8 भर्तृहरि ने विद्या के विषय में क्या कहा है ? 2
- प्रश्न-9 अभिज्ञानशाकुन्तल का कोई एक श्लोक, जो इस प्रश्न पत्र में न आया हो, लिख कर उसमें प्रयुक्त अलंकार तथा छन्द बताइए।